राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर

हिन्दी विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का हिन्दी विभाग वर्ष 1960 में महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही प्रारंभ हुआ था । हिन्दी विभाग में सन् 1970 से स्नातकोत्तर शिक्षण प्रारंभ हुआ। सन् 1974 में विभाग को शोध केन्द्र के रुप में मान्यता प्राप्त हुई और डॉ. श्यामसुन्दर दुबे के निर्देशन में सन् 1977 में एम.के.मेहता को पीएचडी की पहली उपाधि प्राप्त हुई। अब तक हिन्दी विभाग के शोध केन्द्र से 17 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। वर्तमान में 8 शोधार्थी हिन्दी शोध ाकेन्द्र में शोधरत हैं।

हिन्दी विभाग में एक प्राध्यापक के साथ पॉच सहायक प्राध्यापकों के पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में 6 सहायक प्राध्यापक कार्यरत हैं। सभी शिक्षक अध्ययन–अध्यापन के साथ–साथ शोध एवं नवाचार में संलग्न हैं। गत वर्ष हिन्दी विभाग द्वारा 'साहित्य और पर्यावरण' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया था जिसमें देश–विदेश के प्रतिष्ठित विद्धानों की सहभागिता रही है। हिन्दी विभाग में सत्र 2022–23 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरुप पाठ्यक्रम संचालित हैं।

हिन्दी विभाग विद्यार्थियों के अकादमिक एवं शैक्षेणेत्तर विकास हेतु निरंतर गतिविधियों का संचालन करता है। सरगुजा अंचल आदिवासी बहुल क्षेत्र है जिसमें अधिकांश विद्यार्थी समाज के कमजोर वर्गों से आते हैं। हिन्दी विभाग ने अभिनव पहल करते हुए नेट/सेट की परीक्षा हेतु निःशुल्क कोचिंग प्रारंभ किया है। इस केन्द्र से कई छात्र–छात्राओं ने नेट/सेट की परीक्षा उत्तीर्ण किया है। हिन्दी विभाग का अपना विभागीय पुस्तकालय है जिसमें महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं।

हिन्दी विभाग के कई पूर्व छात्रों ने साहित्य और समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। विभाग अद्यतन पाठ्यक्रम, छात्रोन्मुखी शिक्षण तकनीकों के साथ नवाचार का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है।